फेस्टिवल के साथ फजीहतों का दौर शुरू

- शहर की प्रमुख सड़कों की हालत खराब
- धूल वाले गड्ढों में बारिश से कीचड़ मचा

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 30 जुलाई, का. आज से त्यौहारों का मौसम शुरू हो चुका है. श्रावण माह का पहला दिन आज है और इसी के साथ धार्मिक उत्सवों का छः मासी अनुष्ठान प्रारंभ हो चुका है. आने वाले दिनों में श्रावण मास के सोमवार श्रद्धालुओं द्वारा उत्सव के रूप में मनाए जाएंगे और इसके बाद गणेश चतुर्थी, हरियाली अमावस्या, जन्माष्टमीं, डोल ग्यारस, श्राद्धपक्ष और नवरात्रि विशेष रूप से प्राथमिकता में रहेंगे.

इस फेस्टिवल सीजन के साथ ही फजीहत का सीजन भी शुरू हो चुका है. नगर के प्रमुख मंदिरों की ओर जाने वाले अधिकांश मार्गों की हालत बेहद खराब है. गड्ढों में मिट्टी और उसके बाद कीचड़ पसर चुका है. शहर की प्रमुख सड़कें जो मंदिरों की ओर जाती है वे दुरूस्त नहीं है. ऐसे में धर्म की वेणु पर जाते समय लोगों को जिस परेशानी का सामना करना पड़ेगा यह समझा जा सकता है.

बिना रैलिंग की पुलिया, गुजर रहे स्कूली वाहन- बीते दिनों जिला कलेक्टर डॉ गिरीश कुमार मिश्र ने अमले को निर्देशित किया था जिसमें मिट्टी और कीचड़ तथा बिना रैलिंग वाली पुलियाओं से स्कूली वाहनों को गुजरने से रोकने के निर्देश दिए थे. लेकिन शहर के अस्पताल रोड़ की पुलिया जिसके निर्माण चर्चा महीनों से चल रही है वहां रैलिंग तक नहीं है. स्कूली वाहन यहां से गुजरते है. यदि कोई चूक हुई तो स्कूली बच्चों की जान सांसत में आ सकती है. नदी की गहराई जो कि दलदली है यहां से 15 फीट से ज्यादा है. बड़ी स्कूली बसों के साथ ही छोटे स्कूली वाहन जैसे ऑटो रिक्शा, मैजिक वाहन भी यहां से प्रतिदिन दो या तीन बार गुजरते है.

इन मंदिरों के रास्तों पर कीचड़ और गंदगी

नगर में प्रमुख मार्ग जो कि प्रवेश और मंदिरों के पहुंच वाले रास्ते हैं वहां अब तक की पहली और हल्की बारिश में ही कीचड़ और गंदे पानी का सोता भर गया है . अंजनीलाल मंदिर धाम तक जाने के लिए इंदौर नाके से ही कीचड़ शुरू हो जाता है जो कि जूना ब्यावरा और प्राचीन श्रीघाट वाले तिराहे से आगे बढ़कर बीड़ मंदिर और प्रवेश द्वार और तक हालत खराब है . इसी प्रकार चंपालालजी के बगीचे स्थित अतिप्राचीन शिवमंदिर पर शहर के सभी लोग पहुंचते है . यहां भी रास्ते की ढलान से लेकर परिसर के अंदर तक कीचड़ वाला रास्ता है . इसके अलावा जूना ब्यावरा क्षेत्र में रास्तों की यही हालत है .

पूर्व विधायक और समाजवादी नेता बृजेन्द्र तिवारी का निधन

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 30 जुलाई. भितरवार से भाजपा के विधायक रहे जाने माने समाजवादी नेता बृजेन्द्र तिवारी का आज रात को निधन हो गया वह काफी दिनों से बीमार थे। उनका अपोलो अस्पताल में निधन हो गया। वह 75 वर्ष के थे।

बृजेन्द्र तिवारी समाजवादी आंदोलन से जुडे थे। उन्हें बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, पूर्व रेल मंत्री जार्ज फर्नांडीस सहित अन्य समाजवादी नेताओं का साथी माना जाता था। बृजेन्द्र तिवारी को युवा नेता के रूप् में खांटी माना जाता था। जीवाजी विश्वविद्यालय के चुनावों में उनके निवास पर युवकों की भीड लगी रहती थी। इनके पिता श्री विष्णूदत्त तिवारी भी जनता पार्टी के समय विधायक रहे थे। बृजेन्द्र तिवारी सन 71 में जीवाजी विश्वविद्यालय छात्रसंघ के अध्यक्ष भी रहे थे । उन्हें विख्यात छात्र नेता के रूप में जाना जाता था।

वीर शासन जयंती मनाई गई

नवभारत न्यूज

सागर 30 जुलाई. काकागंज स्थित आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में वीर शासन जयंती मनाई गई.

इस अवसर पर भगवान आदिनाथ का जलाभिषेक, शांतिधारा एवं नित्य-नियम पूजन संपन्न हुआ. भगवान महावीर स्वामी का विशेष पूजन किया गया. बड़े बाबा की मंगल आरती संपन्न हुई.

कार्यक्रम में डॉ. सुनील जैन, दयाचंद जैन, प्रमोद रामपुरा, आनंद जैन, राजेश जैन, महेन्द्र जैन, सतीश जैन, विमल मड़ावरा, सुभाष सूत सहित अनेक श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त किया.

छपते-छपते

लवप्रीत के हाथ से फिसला गोल्ड, सिल्वर से करना पड़ा संतोष

ग्लास्गो लवप्रीत सिंह लगभग पूरे मुकाबले के दौरान स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदार नजर आ रहे थे और उन्होंने अपनी पहली लिफ्ट से लेकर पांचवें प्रयास तक बढ़त बनाए रखी. हालांकि, न्यूजीलैंड के अनुभवी वेटलिफ्टर डेविड एंड्रयू लिटी ने अपने पेनल्टीमेट (दूसरे-अंतिम) प्रयास में 223 किग्रा का शानदार क्लीन एंड जर्क करते हुए 15 किग्रा के अंतर को पाट दिया और केवल एक किलोग्राम से बढ़त हासिल कर ली. इस अविश्वसनीय प्रयास के साथ ही स्वर्ण पदक पक्का हो जाने के बाद लिटी को अपनी अंतिम लिफ्ट की आवश्यकता ही नहीं पड़ी. न्यूजीलैंड के इस खिलाड़ी ने कुल 389 किग्रा वजन उठाकर लवप्रीत के 388 किग्रा के स्कोर से महज एक किलोग्राम आगे रहते हुए पहला स्थान हासिल किया.

बांग्लादेश में कदम रखते ही शेख हसीना होंगी गिरफ्तार

ढाका. बांग्लादेश के कानून मंत्री एम असदुज्जमान ने गुरुवार (30 जुलाई 2026) को कहा कि पूर्व पीएम शेख हसीना को बांग्लादेश में कदम रखते ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा. उन्होंने कहा कि शेख हसीना को भारत से लौटने के बाद सीधे कोर्ट में पहुंचकर आत्मसमर्पण करने का मौका नहीं मिलेगा. यह बयान हसीना के एक न्यूज एजेंसी को दिए उस इंटरव्यू के एक दिन बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अपनी जान को खतरा होने के बावजूद वह दिसंबर तक अपने देश लौटने के लिए दृढ़ हैं. शेख हसीना ने कहा था, 'हो सकता है कि मेरी हत्या कर दी जाए. हो सकता है कि मुझे गिरफ्तार कर लिया जाए. हो सकता है कि मुझे जेल भेज दिया जाए... मुझे अपनी किस्मत के बारे में पूरी जानकारी है. फिर भी, मैं वापस जाना चाहती हूं, क्योंकि मेरे लोग मुझे बुला रहे हैं.' इस महीने की शुरुआत में उनके कुछ और इंटरव्यू सामने आए थे, जिनसे पता चला था कि वह अपनी पार्टी के सहयोगियों के साथ इस साल के आखिर तक बांग्लादेश लौटने की संभावना पर चर्चा कर रही हैं.

बांग्लादेश के मंत्री की धमकी

अजिंक्य रहाणे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

मुंबई. एक और दिग्गज भारतीय खिलाड़ी क्रिकेट के खेल को अलविदा कह गया. 38 वर्षीय अजिंक्य रहाणे नए गुरुवार को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का एलान किया. उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो क्लिप भी साझा किया, जिसमें वो रिटायरमेंट की बात करते-करते इमोशनल भी हो गए. रहाणे रेड बॉल क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी के रूप में याद किए जाएंगे. वे ऐसे केवल दूसरे भारतीय क्रिकेटर रहे, जिनकी कप्तानी में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को उसी के घर में जाकर टेस्ट सीरीज में हराया. उनकी रिटायरमेंट पर सचिन तेंदुलकर से लेकर विराट कोहली और युवराज सिंह ने प्रतिक्रिया दी. यहां जान लीजिए रहाणे की रिटायरमेंट पर किसने क्या कहा. सचिन तेंदुलकर ने उस पल को याद किया जब वे पहली बार मुंबई टीम में रहाणे के साथ खेले थे. उन्होंनए बताया कि रहाणे कभी अपनी व्यक्तिगत उपलब्धियों के लिए नहीं खेले. विराट कोहली ने कहा कि अजिंक्य रहाणे को अपने ऐतिहासिक करियर पर गर्व होना चाहिए. विराट ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट में अपना पसंदीदा बल्लेबाजी पार्टनर भी बताया.

चीन ने J-20 फाइटर जेट LAC के करीब किया तैनात

नई दिल्ली. करीब आठ साल बाद अपने इंजन और एवियोनिक्स को पूरी तरह अपग्रेड करने के बाद चीन का जे-20 स्टेल्थ फाइटर जेट एक बार फिर मैदान में कूद गया है. इस बार चीन ने स्वदेशी जे-20 'चेंगदू' फाइटर जेट को वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) के करीब अपने दो अहम एयरबेस पर तैनात किए हैं. ओपन सोर्स इंटेलिजेंस पर इन दोनों एयरबेस पर खड़े जे-20 की तस्वीरें भी सामने आई हैं.

खास बात यह है कि जे-20 की तैनाती की ये सैटेलाइट तस्वीरें ऐसे सामने आई हैं, जब अगले कुछ हफ्तों में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत के दौरे पर आने जा रहे हैं. मौका होगा, सितंबर के महीने में ब्रिक्स सम्मेलन का. हालांकि, दो साल पहले भी चीन ने इन्हें सिक्किम के करीब तिब्बत के शिगात्से एयरबेस पर तैनात किया था. उस वक्त भी ओपन सोर्स इंटेलिजेंस ने शिगात्से एयरबेस की सैटेलाइट तस्वीरें जारी की थी, जिसमें एक दर्जन जे-20 फाइटर जेट कतार में खड़े दिखाई पड़ रहे थे. उस वक्त सिक्किम के करीब हाशिमारा एयरबेस (उत्तर बंगाल) में भारतीय वायुसेना की तरफ से रफाल (राफेल) फाइटर जेट की पूरी एक स्क्वाड्रन की तैनाती के जवाब में चीन ने ऐसा किया था.

सैटेलाइट तस्वीरें आईं सामने

कुएं में मिले भाई-बहन के शव, हादसे से गांव में मातम

नवभारत न्यूज

अशोकनगर। देहात थाना क्षेत्र के ग्राम पाकोन में एक हृदयविदारक हादसा सामने आया है, जहां खेत पर बने कुएं में गिरने से सगे भाई-बहन की डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान आकाश यादव 17 वर्ष पिता दुष्यंत यादव एवं नेहा यादव 14 वर्ष पुत्री दुष्यंत यादव के रूप में हुई है।

ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, दोनों भाई-बहन खेत में फसलों पर कीटनाशक दवा का छिड़काव करने के लिए गए थे। छिड़काव के दौरान कुएं से पानी भरते समय अचानक एक का पैर फिसल गया, जिसे बचाने या खुद संतुलन बिगड़ने के कारण दोनों कुएं के गहरे पानी में जा गिरे और हादसे का शिकार हो गए।

7 सदस्यीय रेस्क्यू टीम ने निकाले शव: घटना की सूचना मिलते ही जिला सेनानी के निर्देशानुसार एसडीआरएफ की 7 सदस्यीय रेस्क्यू टीम तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना की गई। रेस्क्यू टीम के सदस्य एचआई शशि कपूर, सैनिक देवेंद्र रघुवंशी, अरुण रघुवंशी, नीरज रघुवंशी, मनीष अहिरवार , राहुल रघुवंशी एवं सैनिक श्रीलाल भील टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों भाई-बहन के शवों को कुएं से बाहर निकालकर स्थानीय पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

घोषणाओं में सिमटा गंजबासौदा का विकास

अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की नहीं हो सकी नियुक्ति

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा 30 जुलाई, नगर के विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं आज भी अधूरी पड़ी हैं. इससे नागरिकों में निराशा और असंतोष बढ़ रहा है. सबसे बड़ी चिंता 150 बिस्तरीय नवीन सिविल अस्पताल को लेकर है, जिसका लोकार्पण 23 नवंबर 2025 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने किया था.

लोकार्पण के बाद भी अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं आवश्यक स्टाफ की नियुक्ति नहीं हो सकी है. आवश्यक संसाधन उपलब्ध नहीं होने से अस्पताल का संचालन शुरू नहीं हो पाया.

> नगर के समुचित विकास के लिए नगर पालिका परिषद में वार्ड वृद्धि लंबे समय से आवश्यक मानी जा रही है. वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए नगर में लगभग 10 नए वार्ड बढ़ाए जा सकते हैं. इसके लिए शहरी सीमा से लगे ग्राम पंचायत क्षेत्रों को नगर सीमा में शामिल करने की प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है .जानकारी के अनुसार संबंधित ग्राम पंचायतों से आवश्यक सहमति पत्र प्राप्त कर लिए गए हैं .

गड्ढों में हिचकोले खा रहे वाहन, जिम्मेदार बेखबर

नवभारत न्यूज

विदिशा 30 जुलाई, शहर की सड़कें इन दिनों लोगों के लिए सबसे बड़ी परेशानी बन गई हैं. नगर पालिका हर वर्ष संपत्ति कर, जल कर, समेकित कर, विकास शुल्क, सीवरेज शुल्क और कचरा शुल्क सहित विभिन्न मदों से करोड़ों रुपये का राजस्व वसूल रही है, लेकिन इसके बावजूद शहर के कई प्रमुख मार्ग आज भी जर्जर हालत में हैं.

एक वर्ष पहले जिन 10 प्रमुख सड़कों की बदहाली को लेकर सवाल उठाए गए थे, उनकी तस्वीर आज भी नहीं बदली है. जगह-जगह गहरे गड्ढे, उखड़ी डामर और

धंसे हिस्सों के बीच लोगों को रोजाना जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है.

बारिश ने बढ़ाई मुश्किलें- लगातार हो रही बारिश के कारण गड्ढों में पानी भर जाता है, जिससे उनकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है.सबसे अधिक परेशानी दोपहिया वाहन चालकों को होती है. कई स्थानों पर सड़क और गड्ढे में अंतर तक दिखाई नहीं देता. स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसी स्थिति में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है.

करोड़ों का टैक्स, फिर भी बदहाल सड़कें- शहरवासियों का कहना है कि जब नगर पालिका जनता से करोड़ों रुपये का टैक्स वसूल रही है, तो बदले में सुरक्षित और टिकाऊ सड़कें मिलना उनका अधिकार है. विकास के दावों के बीच शहर की सड़कें व्यवस्था की वास्तविक तस्वीर सामने ला रही हैं.शहर की जर्जर सड़कें अब केवल असुविधा का कारण नहीं रहीं, बल्कि गंभीर दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ा रही हैं.

रतनबाई स्कूल में लगी स्वच्छता चौपाल बच्चों को दिए स्वच्छता के संस्कार

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. नगर में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से रतनबाई स्कूल में स्वच्छता चौपाल का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में विद्यार्थियों को साफ-सफाई का महत्व बताते हुए स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संकल्प दिलाया गया.

चौपाल के दौरान बच्चों को समझाया गया कि स्वच्छता केवल घर या विद्यालय तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे दैनिक जीवन की आदत बनाना आवश्यक है. विद्यार्थियों से कहा गया कि वे स्वयं स्वच्छ रहें और अपने घर, विद्यालय तथा आसपास के वातावरण को भी साफ रखने में सहयोग करें.कार्यक्रम में स्कूल प्रबंधन से भी आग्रह किया गया कि प्रतिदिन प्रार्थना सभा अथवा कक्षाओं में विद्यार्थियों को स्वच्छता से जुड़े संदेश दिए जाएं, ताकि बचपन से ही उनमें स्वच्छता के संस्कार विकसित हों और वे अपने परिवार एवं समाज को भी इसके लिए प्रेरित कर सकें.पूर्व स्वास्थ्य अधिकारी आर.के. नेमा, डॉ. अशोक रोहले तथा नगर पालिका की सहयोगी संस्था आवरण सोशल वेलफेयर सोसाइटी के अभिषेक शर्मा ने बच्चों को स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत साफ-सफाई के महत्व की जानकारी दी.

एक नजर में

जल प्रदाय योजनाओं का निरीक्षण

सीहोर. पंचायतीराज विभाग की अपर मुख्य सचिव दीपाली रस्तोगी, प्रबंध संचालक केवीएस चौधरी एवं पंचायती राज आयुक्त छोटे सिंह ने ग्राम पचामा एवं ग्राम पिपलिया मीरा में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित एकल ग्राम जल प्रदाय योजनाओं का निरीक्षण किया . उन्होंने ग्रामों में संचालित जल व्यवस्था का जायजा लिया तथा पेयजल आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए .

चातुर्मास कलश स्थापना समारोह

गौरझामर. आर्यिका वैराग्यमति माताजी का वर्षाकालीन चार्तुमास गौरझामर में होने जा रहा है जहां पर चार्तुमास कलश स्थापना समारोह आयोजित किया गया . आर्यिका माताजी ने कहा कि मांझी तुमको बना दिया, तुमसे है अरमान हमारे! भक्तों का हर दम मन जिनका ऐसे गुरु विद्या भगवान हमारे . पहला कलश ग्राम के मूलनायक अतिशयकारी भगवानश्री पार्श्वनाथ के नाम से कलश आचार्य विद्यासागर, चौथा कलश आचार्य समय सागर इसके बाद अतिरिक्त कलश स्थापित किए .

नागरिकों को किया नशे के विरुद्ध जागरूक

आष्टा. अनुभाग अंतर्गत नशे से दूरी है जरूरी अभियान के अंतर्गत थाना आष्टा, पार्वती, जावर एवं सिद्दीकगंज द्वारा कस्बा क्षेत्र में पुलिस द्वारा जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया . अभियान अंतर्गत ग्राम बमुलिया रायमल, जावर एवं वेदांश केयर अस्पताल सिद्दीकगंज में आमजन, पेशेंट, डॉक्टर, किसान, व्यापारी एवं नागरिक से जन सवांद आयोजित कर नशे के दुष्प्रभाव, नशा मुक्त जीवन के लाभ एवं नशे को सामाजिक, मानिसक, आर्थिक एवं शारीरिक समस्या के रूप मे प्रदर्शित किया गया है . नशे की लत छुडवाने के लिए पुर्नवास केन्द्र व चिकित्सीय सहायता लेने की समझाईश दी गई कार्यक्रम में शार्ट फिल्म, वीडियो, रील दिखाकर एवं बैनर, पोस्टर लगाकर तथा प पलेट वितरित कर नशे से दूर रहने का संदेश दिया .

संसार को सपना, भगवान को अपना मानोगे तो बेड़ा पार

राजगढ़ 30 जुलाई, सं. नगर के समीप मोतीपुरा जोड़ स्थित सामाजिक परिसर में आयोजित एक दिवसीय सत्संग एवं प्रवचन कार्यक्रम में कथावाचक प्रेमनारायण गेंहुखेड़ी ने कहा कि यदि मनुष्य संसार को सपना और भगवान को अपना मान ले, तो उसका जीवन सफल हो सकता है तथा वह भवसागर से पार हो जाएगा. उन्होंने कहा कि यह संसार क्षणभंगुर और नश्वर है, लेकिन इसकी सुंदरता और मोह-माया में फंसकर मनुष्य इसे ही अपना मान बैठता है. इसी मोह के कारण वह भगवान से दूर होता जाता है. प्रवचन के दौरान उन्होंने जीवन के तीन महत्वपूर्ण सूत्र भी बताए.

लापरवाही मोहनगढ़ क्षेत्र की पंचमपुरा पाठशाला का मामला

शासकीय स्कूली बच्चों को घटिया भोजन देने का लगाया आरोप

नवभारत न्यूज

मोहनगढ़। शासन की महत्वाकांक्षी पीएम पोषण मिड-डे मील योजना का उद्देश्य सरकारी स्कूलों के बच्चों को पौष्टिक एवं संतुलित भोजन उपलब्ध कराना है, लेकिन मोहनगढ़ क्षेत्र के कई विद्यालयों में बच्चों को निर्धारित मीनू के अनुसार भोजन नहीं मिलने की शिकायतें सामने आ रही हैं। इससे बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

दरअसल मोहनगढ़ संकुल की माध्यमिक शाला पंचमपुरा में शिवकाली स्व सहायता समूह के

द्वारा बच्चों कों घटिया क्वालिटी का भोजन देकर उनके स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। स्कूली बच्चों ने भी मिलने वाले मिड-डे मील भोजन की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं बच्चों का आरोप है कि जुलाई माह में केवल चार-पांच बार ही स्कूल में बगैर मीनू के भोजन मिला हैं। ग्रामीणों और शासकीय माध्यमिक शाला की प्रधानाध्यापिका उपासना दुबे का आरोप है कि बच्चों कों समूह संचालक द्वारा जिन दालो, हरी सब्जी, खीर पुरी, मीठा आदि पौष्टिक सामग्री परोसी जानी चाहिए वैसा भोजन नसीब नहीं हो रहा, मना करने पर भी समूह संचालक के द्वारा लापरवाही बरती जा रही है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग से मांग की है कि संबंधित विद्यालय की जांच कराई जाए, भोजन की गुणवत्ता, स्टॉक रजिस्टर और खर्च का सत्यापन कराया जाए। यदि किसी प्रकार की वित्तीय अनियमितता या भ्रष्टाचार सामने आता है तो जिम्मेदार समूह संचालक पर कार्यवाही की जाए। शासन की महत्वाकांक्षी पीएम पोषण मिड-डे मील योजना का उद्देश्य सरकारी स्कूलों के बच्चों को पौष्टिक एवं संतुलित भोजन उपलब्ध कराना चाहिए।

जांच कराकर होगी नियमानुसार कार्यवाही

पूरे मामले को लेकर शिक्षा विभाग की जिम्मेवारों के साथ जनपद सीईओ से बात करने की कोशिश की लेकिन जिम्मेवारों के द्वारा जानकारी देना उचित नहीं समझ गया इसके बाद प्रभारी तहसीलदार मोहनगढ़ सावंत सिंह कों उक्त मामले की जानकारी दी उनका कहना है कि बच्चों की शिक्षा व स्वास्थ्य के साथ लापरवाही बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जांच कराकर दोषी पाए जाने पर कार्यवाही भी की जाएगी।